रांची की घटना पुलिस - प्रशासन की विफलता - माकपा

यदि रांची पुलिस पहले से सतर्क रहती और मेन रोड मे भारी पुलिस बंदोबस्त रहता तो इस प्रकार की घटना को रोका जा सकता था. इस घटना के बाद अब भाजपा - आरएसएस के नेता,रांची के सांसद और विधायक गैर जिम्मेदाराना उन्मादी बयान देकर सांप्रदायिक धुव्रीकरण को बढाने के काम मे लग गए हैं.दुसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ धार्मिक रहनुमाओं की भूमिका भी लोगों की भावना को भड़काने वाली रही है. इस घटनाक्रम मे पुलिस की बर्बरता भी दिखाई पड़ी.पुलिस फायरिंग और दोनों समुदाय द्वारा की गयी पत्थरबाजी की घटना मे पुलिसकर्मी समेत डेढ दर्जन लोग घायल हुए हैं. एक व्यक्ति रिम्स में वेंटिलेटर पर मौत से जुझ रहा है.

भाजपा की प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा टीवी डिवेट मे नफरती और आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के खिलाफ आज रांची मे निकाले गए जुलूस के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के बाद आज मेन रोड मे कर्फ्यू लगा दिया गया है.

सीपीआई (एम) रांची समेत राज्य के आम नागरिकों से अपील करता है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और हर कीमत पर सद्भाव और एकता बनाए रखें. पार्टी साथ ही राज्य सरकार से पुलिस फायरिंग के शिकार लोगों के समूचित ईलाज की व्यवस्था किए जाने की मांग करती है.

प्रकाश विप्लव
राज्य सचिव